Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

BAKK-201

शान्ति एंव संस्कार विधान

कला में स्नातक (कर्मकाण्ड) बी0ए0–12 / 16 / 17

द्वितीय वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. जातकर्म एंव नामरकरण संस्कार की विधि समझाइये।

P.T.O.

Q.2. उपनयन विधान लिखिये।

Q.3. विवाह के प्रकारों की विस्तृत व्याख्या कीजिये।

Q.4. मूल शान्ति की विधि सचित्र लिखें।

Q.5. उपनयन से समाज को क्या लाभ है? स्पष्ट कीजिये।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. नामकरण संस्कार की उपयोगिता समझाइये।

Q.2. चूड़ाकरण एंव मुण्डन में अन्तर समझाते हुये किसी एक की विधि संक्षेप में लिखें।

Q.3. अक्षरारम्भ संस्कार का समुहूर्त्त की विधि का वर्णन करें।

Q.4. समावर्त्तन संस्कार के बारे में आप क्या जानते है?

Q.5. सूर्य शान्ति की विधि लिखें।

Q.6. राहु शान्ति की विधि क्या है?

Q.7. ज्वरादि रोगोत्पत्ति शान्ति कैसे की जाती है?

Q.8. संस्कारों के सन्दर्भ में आपकी राय क्या है।

****